This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6831**

Unique Paper Code : **C-106** **G-I**

Name of the Paper : **हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास**

Name of the Course : **B.Com/III**

Semester : **Annual Mode**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) श्रम से नहीं विमुख होंगे जो, दुख से नहीं डरेंगे,
सुख के लिए पाप से जो नर सन्धि न कभी करेंगे।
कर्ण-धर्म होगा धरती पर बलि से नहीं मुकरना,
जीना जिस अप्रतिम तेज से, उसी शान से मरना।

अथवा

तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतलाके,
पाते हैं, जग से प्रशस्ति अपना करतब दिखलाके ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींचकर ही रहते हैं इतिहासों में लीक । 6

P.T.O.

(ख) बयान लेने का नाटक तो हो ही गया और इस बार बहुत मुस्तैदी से भी हुआ ! अब मामला गहरी छानबीन के लिए ऊँचे अफ़सरों के हाथ में सौंप दिया जायेगा जो कभी किसी नतीजे पर पहुँचेंगे ही नहीं । कम-से-कम चुनाव तक तो नहीं पहुँचेंगे । आप लोग मरें या जियें, इन्हें तो चुनाव जीतना है – हर हालत में । और चुनाव जीतने के लिए गाँव के धनी किसानों के वोट भी चाहिए और पैसा भी । इसलिए अभी उनकी हर ज़्यादती पर, हर अन्याय पर परदा डाला जायेगा .... उन्हें बचाया जायेगा ।

अथवा

ज़ीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है – जीवन का पुरुषार्थ । अपराध क्षमा हो आचार्य, आपकी कला उस पुरुषार्थ को भूल गई है । जब मैं इन मूर्तियों में बँधे रसिक जोड़ों को देखता हूँ तो मुझे याद आती है पसीने में नहाते हुए किसान की, कोसों तक धारा के विरुद्ध नौका को खेने वाले मल्लाह की, दिन-दिन भर कुल्हाड़ी लेकर खटने वाले लकड़हारे की ! .... इनके बिना जीवन अधूरा है, आचार्य । 6

2. 'रश्मिरथी' काव्य में कर्ण के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' काव्य कर्त्तव्य और राग के द्वन्द्व को उद्घाटित करता है।' विवेचन कीजिए। 6

3. 'महाभोज' मूल्यहीन होती राजनीति को बेनकाब करता है ।' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'महाभोज' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । 6

4. 'कोणार्क' नाटक में अभिव्यक्त कलाकार के विद्रोह पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

विशु की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 8

5. 'अतीत के चलचित्र' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) रामा के चरित्र की दो मुख्य विशेषताएँ लिखिए ।

(2) बिन्दा ने लेखिका से उसे छिपा देने का आग्रह क्यों किया?

(3) बदलू के बाह्य रूप का वर्णन कीजिए ।

(4) सबिया लेखिका से पाँच महीने का वेतन पेशगी क्यों माँगती है ?

अथवा

(1) बच्चन जी के परिवार के सबसे बुजुर्ग पुरखा मनसा का परिचय दीजिए ।

(2) बच्चन जी के नाना के व्यक्तित्व की किन्हीं **दो** विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(3) प्रताप नारायण कहाँ और किस पद पर काम करते थे?

(4) बच्चन जी के पिता अपने मुहल्ले में हिन्दू मुसलमान तनाव को समाप्त करने में किस प्रकार सफल हुए ? 8

6. (क) आदिकालीन चारण काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

संतकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 10

(ख) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए :

(*i*) रामचरितमानस

(*ii*) भारतेन्दु युग

(*iii*) मीराबाई

(*iv*) जयशंकर प्रसाद 5

7. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए :

(*i*) सुनिए सबकी, करिए मन की

(*ii*) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान

(*iii*) देश प्रेम । 8

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जीवन के मरुस्थल में सत्संगति नदी की कल्याणकारी निर्मल धारा के समान है । जिसके द्वारा जीवन में अनेक गुण विकसित होते हैं । मनुष्य जब सज्जन और ज्ञानी व्यक्तियों के बीच बैठता है तो उसके ज्ञान में वृद्धि होती ही है ।

यह प्रत्यक्ष है कि वह विवेकशील और अधिक अनुभवी हो जाता है । उसके साथ वार्तालाप करने से उसे मितभाषण, नम्रता और शील जैसे गुण प्राप्त होते हैं । संगति के द्वारा मनुष्य को मानसिक शांति मिलती है । संतोष, धैर्य, क्षमा, निश्छलता एवं स्पष्टवादिता जैसे गुण भी उसमें अनायास ही आ जाते हैं ।

(i) सत्संगति की तुलना किससे की गई है और क्यों?

(ii) सज्जन व ज्ञानी पुरुषों का जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(iii) सत्संगति के माध्यम से किन गुणों का विकास होता है ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

One of the most astonishing things about our time is the change in the status of women, which has spread with amazing rapidity throughout most parts of the world. The superiority of men over women was based originally entirely upon their superior physical strength which

enabled them to claim superiority in every other respect, without effective challenge from the weaker partner. Gradually, however, it came to be recognized that force ought not to be employed by private persons in their private relations, but should be employed only by the state in accordance with the law. Women became emancipated from men in proportion as both became salves of the state. 6

(ग) किसी ऐतिहासिक स्थल की यात्रा का वर्णन कीजिए ।

अथवा

अपने क्षेत्र में पानी की कमी की समस्या को लेकर संपादक को पत्र लिखिए । 6